University in News on 13 May 2021

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

कविता पाठ से भरा जोश

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के सांस्कृतिक बोर्ड द्वारा आयोजित हो रहे ऑनलाइन सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत बुधवार को कविता पाठ का आयोजन किया गया। इसमें करीब 200 से ज्यादा प्रतिभागियों ने कविता पाठ से सभी को मोहित किया। इससे पहले सांस्कृतिकी के निदेशक प्रो. राकेश चंद्र और डीन छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने कार्यक्रम का आरंभ किया। अंत में जूही तिवारी को विजयी घोषित किया गया। जय सिंह को दूसरा स्थान और शिवांशु त्रिवेदी व अभिषेक अनंग मिश्रा को संयुक्त रूप से तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। कोविड संक्रमण के मायूसी भरे दौर में छात्रों में सकारात्मकता लाने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है । इसमें गायन, पोस्टर मेकिंग, फोटोग्राफी, एकालाप अधिनियम, कहानी लेखन, नृत्य, ओपन माइक समेत कई सांस्कृतिक गतिविधियां करायी जा रही हैं। कार्यक्रम में वे छात्र भी प्रतिभाग ले रहे हैं जो कोरोना संक्रमण से होम आईसोलेसन में है। आयोजन छात्र समन्वयक आयुष शुक्ला ने किया। (माई सिटी रिपोर्टर)

छात्रों ने सीखीं विधिक लेखन की बारीकियां

लखनऊ। विधिक लेखन की बारीकियों को लेकर लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय में कार्यशाला का ऑनलाइन आयोजन किया गया। लखनऊ विश्वविद्यालय मूट कोर्ट एसोसिएशन द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में विधि संकाय के पुरातन छात्र व इलाहाबाद उच्च न्यायालय की खण्ड पीठ लखनऊ के अधिवक्ता शम्भू नाथ मिश्रा रहे। उन्होंने विधिक लेखन की परिभाषा और जारगन के विषय मे व उसके प्रयोग के बारे में बताया। (माई सिटी रिपोर्टर)

i-NEXT PAGE 4

फॉन्ट, लाइन स्पेसिंग पर दें ध्यान

लखनऊ यूनिवर्सिटी की लॉ फैकल्टी में आयोजित हुई लीगल राइटिंग कार्यशाला

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW(12 May): एलयू में बुधवार को लीगल राइटिंग पर कार्यशाला हुई, जिसे एलयू मूट कोर्ट द्वारा आयोजित किया गया. कार्यशाला में वक्ता के रूप में विधि संकाय के पुरातन छात्र एवं वर्तमान में इलाहाबाद उच्च न्यायालय की खण्ड पीठ लखनऊ के अधिवक्ता शम्भू नाथ मिश्रा मौजूद रहे. कार्यक्रम का उद्देश्य विधि संकाय के प्रमुख व विभागाध्यक्ष प्रो. सीपी सिंह द्वारा बताया गया.

आर्टिकल को चार बार खुद पढ़ें

शम्भू नाथ मिश्रा ने लीगल राइटिंग के बारे में स्टूडेंट्स को बताया. उन्होंने सबसे पहले लीगल राइटिंग की परिभाषा को बताई. इसके बाद जारगन और उसके प्रयोग के बारे में बताया. हमें कुछ विशेष हेडिंग पर भी विशेष ध्यान देना होता है जैसे एब्सट्रेक्ट, इंट्रोडक्शन और कॉनक्लूसन. इसके बाद हमें फॉन्ट, लाइन स्पेसिंग, फुट नोट का भी ध्यान देना होता है. साथ ही साथ साइटेशन स्टाइल को भी देखना होता है.

DAINIK JAGRAN PAGE 5

'विधिक लेखन की बारीकियों से वाकिफ होना जरूरी'

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय में बुधवार को विधिक लेखन के विषय पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। विवि के विधि संकाय के डीन व विभागाध्यक्ष प्रो. सीपी सिंह ने बताया कि कार्यशाला का आयोजन लखनऊ विश्वविद्यालय मूट कोर्ट एसोसिएशन द्वारा किया गया। कार्यशाला में वक्ता के रूप में विधि संकाय के पुरातन छात्र एवं वर्तमान में इलाहाबाद उच्च न्यायालय की खंड पीठ लखनऊ के अधिवक्ता शम्भू नाथ मिश्रा रहे।

उन्होंने बताया कि मौजूदा समय में ज्ञान अर्जित करना तो महत्वपूर्ण है ही, साथ ही उसके साथ उस ज्ञान को व्यक्त करना भी महत्वपूर्ण है। इस ज्ञान को हम य तो बोलकर य लिखकर सामान्यतः व्यक्त करते हैं।

शम्भू नाथ मिश्रा ने लीगल राइटिंग की परिभाषा और लेखन के तरीके बताए। उन्होंने बताया कि सर्वप्रथम हम ऐसे विषय को चुनें जिससे हम परिचित हों, जिसके बारे में हम अच्छे से अवगत हों। इसके बाद उससे संबंधित सारे मैटर को एक साथ कर लें तथा अपने टापिक से संबंधित लेखन को अपने शब्दों में लिखना शुरू करें। हमें कुछ विशेष शीर्षक पर भी ध्यान देना होता है, जैसे एब्सट्रेक्ट, इंट्रोडक्शन और कनक्लूजन। हमें केवल एक पक्ष को लेकर नहीं चलना होता बल्कि दोनों पक्षों को अपने टापिक के अनुसार समझाना होता है। इसके बाद हमें फांट, लाइन स्पेसिंग, फुट नोट का भी ध्यान देना होता है। साथ ही साइटेशन स्टाइल को भी देखना होता है। हम जिस जर्नल में अपना आर्टिकल पब्लिश कराने जा रहे हैं, उसके सभी निर्देशों का पालन करना होता है। जब भी हैम आर्टिकल लिखें तो उसको कम से कम दो-चार बार खुद पढ़ लें। अगर पहली बार कर रहे हैं तो किसी सीनियर से उसका आब्जरवेशन ले लें।